हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

सोमवार, 27 मार्च 2017, बरेली

गैस भी देती है दर्द, खुद ही न लें पेनकिलर

बरेली | प्रमुख संवाददाता

मामूली दर्द पर पेन किलर खाने वाले सावधान हो जाएं। यह काम उनको दूसरी बीमारियों की गिरफ्त में ढकेल सकता है। अक्सर दर्द होने पर लोग दर्द निवारक दवाओं का सेवन कर लेते हैं। कभी-कभी तो दर्द का कारण गैस भी होता है। ऐसे में पेन किलर लेने से पहले चिकित्सकों की सलाह जरुर लें।

पेन फिजिशयन डा. मनीष राज ने एसआरएमएस में आयोजित पेन मैनेजमेंट कार्यशाला में सुपीरियर हाइप्रोगेस्ट्रीक ब्लाक के बारे में बता रहे थे। उन्होंने कहा गैस केवल पेट में दर्द नहीं करती है। इससे कही भी दर्द हो सकता है। ऐसे में जल्दबाजी न करें और पूरा परामर्श लेकर दवा लें। एनेस्थिसियोलॉजी एंड पेन मैनेजमेंट पर हुए ट्रेनिंग प्रोग्राम में देश भर से आए पेन फिजिशियन द्वारा उपरोक्त विषयों पर अपने महत्वपूर्ण व्याख्यान एवं प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला का शुभारंभ चेयरमैन देवमूर्ति, प्रशासनिक निदेशक आदित्य मूर्ति, प्राचार्य प्रो. डा. आरसी पुरोहित ने किया। मेंदांता, गुड़गांव से आये डा. राज कुमार ने स्लिप डिस्क के प्रबन्धन एवं निदान के बारे में अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। कहा कि किसी भी बीमारी का इलाज के लिए बीमारी की मूल जड़ तक पहुंचकर ही इलाज संभव हो सकता है। आर्टिमिस हास्पिटल गुडगांव से आये डा. रजत गुप्ता ने जोड़ों के दर्द का निदान एवं प्रबन्धन विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए अवगत कराया कि जोड़ों के दर्द की समस्या एक उम्र के बाद आम समस्या बन जाती है। गुडगांव से ही आये डा. आशु जैन ने बताया कि बताया कि किसी ी दर्द में दर्द निवारक दवाईयों का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि इसके कई घातक परिणाम हो सकते हैं तथा कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 150 से अधिक चिकित्सकों ने भाग लिया। संचालन डा. चेतन कुमार मौजूद थे। अन्त में सह-आयोजक चेयरपर्सन डा. ऋचा चन्द्रा द्वारा इस इस प्रशिक्षण कार्यशाला को सफल बनाने में बाहर से आये सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं युवा चिकित्सकों का आभार प्रकट किया। आयोजन अध्यक्ष डा. जूही सरन एवं आयोजन सचिव डा. महेश कश्यप मौजूद थे।

एसआरएमएस में रविवार को पेन मैनेजमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया।